जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 | वर्षः 21 | संख्याः 61 | प्रभात | जालोर, सोमवार 8 जून, 2026 | पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 | पृष्ठ 6 | मूल्य 2.50 रु.

इज़रायल के हमले में लेबनान का सर्वोच्च कमांडर हैकल मारा गया

अमेरिका की सशर्त युद्धविराम की घोषणा के बाद भी इज़रायल के हवाई हमलों पर रोक नहीं लगी

■ लेबनान की सेना के अनुसार, सशस्त्र बलों के कमांडर इन चीफ ब्रिगेडियर जनरल रुडॉल्फ हैकल, फील्ड मार्शल आसिम मुनीर से बातचीत के लिए पाकिस्तान जा रहे थे, जब इज़रायल के हवाई हमले ने उनके सैन्य वाहन को नष्ट कर दिया।

बेरूत (लेबनान), 07 जून। अमेरिका की मध्यस्थता से इज़रायल और लेबनान के बीच वाशिंगटन में घोषित सशर्त सैन्य विराम (युद्ध विराम, सीजफायर) दिखावा साबित हुआ। इज़रायल के ताजा हमले में 12 लोगों की मौत हो गई। मृतकों में लेबनान के सैन्य प्रमुख भी शामिल हैं। अधिकारियों ने पुष्टि की कि सैन्य प्रमुख , एक कैप्टन और एक सैनिक की मौत हो गई। इनकी मौत खारदली-नबातीह रोड पर यात्रा के दौरान हुई। सैन्य प्रमुख को पाकिस्तान पहुंचना था। पाकिस्तान पहुंचने से पहले ही उनकी जान ले ली गई। लेबनान के राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री ने देश के सैन्य प्रमुख (सशस्त्र बलों के कमांडर-इन-चीफ) ब्रिगेडियर जनरल रुडोल्फ हैकल को निशाना बनाने को देश की संप्रभुता पर हमला करार दिया है। इस हमले की कई देशों ने भी कठोर निंदा की है।

अल जजीरा की रिपोर्ट के अनुसार, इज़रायल ने छह जून को लेबनान पर कहर बरपाया।

लेबनान की सेना ने पुष्टि की है कि इज़रायल के हवाई हमले में खारदली-नबातिह रोड पर अभेद्य माना जाने वाला सैन्य वाहन नष्ट हो गया। इसमें सवार सेना के सर्वोच्च कमांडर , कैप्टन और एक सैनिक मारे गए। इज़रायली डिफेंस फोर्सेज (आईडीएफ) ने कहा कि यह हमला सक्रिय युद्ध क्षेत्र में हुआ। इस क्षेत्र में आवाजाही के लिए इज़रायली सेना के साथ तालमेल जरूरी है। आईडीएफ ने कहा इस घटना की जांच की जा रही है।

लेबनान की सेना ने बताया कि उसके सर्वोच्च कमांडर रुडोल्फ हैकल अपने पाकिस्तानी समकक्ष फील्ड मार्शल आसिम मुनीर के साथ बातचीत के लिए पाकिस्तान जा रहे थे। लेबनान में सक्रिय ईरान समर्थक सशस्त्र आतंकवादी समूह हिजबुल्लाह ने हमले को "घिनौना अपराध" बताया। साथ ही लेबनान सरकार पर आरोप लगाया कि उसने "वाशिंगटन में दुश्मन की मांगों के सामने पूरी तरह घुटने टेककर" देश को खूनखराबे के बीच धकेल दिया है।

इज़रायल की सेना ने कहा कि उसने पिछले दो दिन में दक्षिणी लेबनान में हिजबुल्लाह के लगभग 150 ठिकानों पर हमला किया है। इनमें शस्त्र भंडारण गृह, कमांड सेंटर, रॉकेट लॉन्चर और इंफ्रास्ट्रक्चर साइट्स शामिल हैं। इज़रायली सेना ने शनिवार देर रात कहा कि उसके दो सैनिक दक्षिणी लेबनान में मारे गए हैं। उधर, हिजबुल्लाह ने बिंट जेबिल इलाके में इज़रायल की चौकी को ड्रोन हमले में उड़ाने का दावा किया है।

महत्वपूर्ण यह है कि संघर्ष विराम का सिलसिला 17 अप्रैल से चल रहा है। अब तक इसका कभी पूरी तरह से पालन नहीं किया गया। हिजबुल्लाह और इज़रायल ने अकसर एक-दूसरे पर उल्लंघन के आरोप लगाए हैं। दो-चार दिन पहले वाशिंगटन में लेबनान और इजरायली दूतों ने एक सशर्त सैन्य विराम की घोषणा की थी। हिजबुल्लाह के नेता नईम कासिम ने कहा था कि वह इस सैन्य विराम को नहीं मानेंगे। दक्षिणी लेबनान से इज़रायल की वापसी पर ही कोई समझौता मान्य हो सकता है।

आज दिल्ली में होगी इंडिया गठबंधन की बैठक

■ जयराम रमेश के अनुसार, 23 राजनीकि दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है।

नई दिल्ली, 07 जून। कांग्रेस महासचिव (संचार) जयराम रमेश ने कहा कि विपक्षी इंडी गठबंधन की 8 जून को नई दिल्ली में होने वाली बैठक में 23 राजनीतिक दलों ने भाग लेने की पुष्टि की है। यह बैठक दोपहर 12 बजे कॉन्स्टीट्यूशन क्लब में आयोजित की जाएगी।

जयराम रमेश ने रविवार को सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर कहा कि इंडी गठबंधन (इंडिया जनबंधन) के कुछ दल अलग-अलग कारणों से इस विशेष बैठक में शामिल होने में असमर्थता जता चुके हैं। हालांकि, उन्होंने भी केंद्र सरकार की उन नीतियों और कार्रवाइयों का विरोध किया है, जो लाखों भारतीयों के मताधिकार को प्रभावित कर रही हैं, संविधान पर हमला कर रही हैं और जांच एजेंसियों के माध्यम से विपक्षी नेताओं को निशाना बना रही हैं।

उन्होंने आरोप लगाया कि केंद्र सरकार की नीतियों से करोड़ों लोगों की रोजी-रोटी प्रभावित हो रही है। लगातार बढ़ ती महंगाई घरेलू बजट पर असर डाल रही है। साथ ही युवाओं की उम्मीदों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मालवीय नगर में आज धार्मिक स्थल हटेंगे, 3000 पुलिसकर्मी तैनात

नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी 1 मस्जिद, 2 मंदिर, 1 सत्संग भवन व 1 मज़ार हटेंगे

■ जेडीए की मांग पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट को आरएसी की 12 कंपनियां दी गई हैं।

■ जयपुर जिले में धारा 163 लागू करने के साथ ही इंटरनेट, वॉट्सऐप तथा सोशल मीडिया एप्स बंद रहेंगे।

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर 7 जून । राजधानी जयपुर के मालवीय नगर इलाके में नंदपुरी अंडरपास से रेलवे लाइन के समानांतर बनी डेढ़ कि.मी. लंबी सड़क की सीमा में आ रहे पांच धार्मिक स्थलों को जेडीए प्रशासन सोमवार को हटाएगा। इनमें एक मस्जिद, दो मंदिर, एक सत्संग भवन और एक मजार शामिल हैं। कार्रवाई के दौरान कानून-व्यवस्था न बिगड़े, इसके लिए शहर में 3000 से ज्यादा पुलिसकर्मी अलग-अलग स्थानों पर तैनात रहेंगे। जेडीए की मांग पर डीजी लॉ एंड ऑर्डर के निर्देश पर पुलिस कमिश्नरेट को आरएसी की 12 कंपनियां दी गई हैं। इसके अलावा, जयपुर, कोटा और भरतपुर रेंज से भी अतिरिक्त जाब्ता बुलाया गया है। शहर में धारा 163 लागू करने के साथ ही इंटरनेट भी बंद रखा गया है। साथ ही बल्क एसएमएस, एमएमएस, व्हाट्सएप, फेसबुक, एक्स (ट्विटर) सहित, अन्य सोशल मीडिया सेवाएं निलंबित रहेंगी।

बताया जा रहा है कि कमिश्नरेट की करीब 1000 जवानों की अतिरिक्त पुलिस फोर्स भी तैनात रहेगी। परकोटे सहित शहर के संवेदनशील इलाकों में पुलिस और आरएसी की मौजूदगी रहेगी, ताकि किसी भी स्थिति में तुरंत नियंत्रण किया जा सके। ज्ञात रहे कि नंदपुरी अंडरपास के पास से रेलवे लाइन के समानांतर यह सड़क 6 कॉलोनियों के बीच से निकलती है। अभी इसकी चौड़ाई 25 से 30 फीट है, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में 80 फीट है। सड़क 80 फीट चौड़ी होने से नंदपुरी से जगतपुरा तक सीधा रूट मिलेगा। करीब 50 कॉलोनियों को मालवीय नगर, प्रधान मार्ग और अपेक्स सर्किल की ओर बेहतर कनेक्टिविटी मिलेगी।

उप महानिरीक्षक पुलिस आनंद शर्मा ने बताया कि सड़क चौड़ी होने से हरे-कृष्ण मार्ग पर वाहनों का लोड कम होगा। जेडीए ने गत 22 मई को 134 अतिक्रमण हटाए थे। इस दौरान धार्मिक स्थलों को स्वयं हटाने के निर्देश दिए थे, परंतु किसी ने अवैध कब्जे नहीं हटाए। नंदपुरी रोड पर सोमवार को अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जाएगी।

वहीं, दूसरी ओर जेडीए की इस कार्रवाई के विरोध की आशंका देखते हुए जयपुर पुलिस प्रशासन ने सख्त कदम उठाए हैं। विभिन्न संगठनों की ओर से संभावित विरोध-प्रदर्शन तथा सोशल मीडिया के माध्यम से सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की आशंका को देखते हुए जयपुर पुलिस आयुक्तालय क्षेत्र में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (बीएनएसएस) 2023 की धारा 163 के तहत निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। यह आदेश कार्यपालक मजिस्ट्रेट एवं अतिरिक्त पुलिस आयुक्त (कानून एवं व्यवस्था) डॉ. राजीव पचार द्वारा जारी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

धर्मेन्द्र प्रधान 7 दिन में नहीं हटे तो देशव्यापी आंदोलन- सीजेपी

सीजेपी संस्थापक दिपके ने जंतर-मंतर के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया

■ दिपके ने कहा कि प्रदर्शन की खास बात यह थी कि इसमें शामिल होने वाले अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे।

नई दिल्ली, 07 जून। रविवार को कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के संस्थापक अभिजीत दिपके ने केन्द्र सरकार को दो टूक चेतावनी दे दी। उन्होंने साफ कहा कि जंतर-मंतर पर हुआ प्रदर्शन तो महज एक ट्रेलर था। अगर केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने अगले सात दिनों में इस्तीफा नहीं दिया या उन्हें पद से नहीं हटाया गया, तो यह आंदोलन देशव्यापी रूप अख्तियार कर लेगा।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखे अपने पोस्ट में दिपके ने शनिवार के प्रदर्शन को ऐतिहासिक करार दिया। उन्होंने कहा कि यह भारी भीड़ देश की शिक्षा व्यवस्था के खिलाफ युवाओं और छात्रों के गुस्से का प्रतीक है। दिपके ने लिखा, कल हजारों लोगों ने मिलकर एक नया इतिहास रचा। जंतर-मंतर पर हमारे शांतिपूर्ण प्रदर्शन ने सरकार को यह दिखा दिया कि जब आम जनता एकजुट होती है, तो उसमें कितनी ताकत होती है।

इस प्रदर्शन की सबसे खास बात यह रही कि इसमें शामिल होने वाले अधिकांश लोग पहली बार किसी आंदोलन का हिस्सा बने थे। भीषण गर्मी और तपती धूप के बावजूद, छात्र, नौजवान और बच्चे बड़ी संख्या में अपनी आवाज उठाने पहुंचे थे।

दिपके ने शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर पूरी एक पीढ़ी का भविष्य बर्बाद करने का गंभीर आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि यह लड़ाई यहीं खत्म होने वाली नहीं है। उन्होंने कहा कि अगर सात दिन के भीतर शिक्षा मंत्री अपने पद से नहीं हटते हैं, तो हम जमीन पर उतरकर बड़े पैमाने पर आंदोलन जारी रखने के लिए मजबूर होंगे। आंदोलन के तरीकों पर बात करते हुए उन्होंने साफ किया कि उनका अभियान पूरी तरह शांतिपूर्ण और अहिंसक रहेगा, क्योंकि एकजुट और शांतिपूर्ण आंदोलन को सरकार कभी दबा नहीं सकती।

मानसून 11 राज्यों में पहुँचा

■ केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु व उत्तर-पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी।

नई दिल्ली, 07 जून। देश में दक्षिण-पश्चिम मॉनसून ने तेज रफ्तार पकड़ ली है। 4 जून को केरल के तट से टकराने के 72 घंटे के भीतर मॉनसून 11 राज्यों तक पहुंच गया है। मौसम विभाग ने अगले 7 दिन केरल, कर्नाटक, तमिलनाडु और उत्तर-पूर्वी भारत में भारी बारिश की चेतावनी दी है।

दक्षिण- पश्चिम मॉनसून ने रविवार को उत्तरपूर्वी भारत में पूरे नागालैंड, मणिपुर और मिजोरम को कवर कर लिया। साथ ही, असम, त्रिपुरा और अरुणाचल प्रदेश में कई जगहों पर मॉनसून की बारिश शुरू हो गयी है।

भारत मौसम विभाग की ताज़ा रिपोर्ट के मुताबिक, मॉनसून पिछले 72 घंटे में 11 राज्यों में पहुंच चुका है -- केरल, तमिलनाडु, कर्नाटक, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम, त्रिपुरा, असम और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

डीके शिवकुमार ने संकट सुलझाने का दावा किया

डीके शिवकुमार और बागी रामलिंगा रेड्डी की दो घंटे लंबी अहम् बैठक हुई

■ डीके शिवकुमार ने पुष्टि की कि मंत्री रामलिंगा रेड्डी ने उन्हें वॉट्सऐप पर इस्तीफा भेजा था, पर शिवकुमार ने कहा, अब सब ठीक है।

■ इसी बीच महिलाओं को सरकार में प्रतिनिधित्व नहीं मिलने पर कांग्रेस की वरिष्ठ नेता मार्गरेट अल्वा ने आपत्ति जताई। डीके शिवकुमार ने कहा, अभी कई पद रिक्त हैं, शीघ्र ही मंत्रिमंडल विस्तार होगा, जिसमें महिलाओं को स्थान मिलेगा।

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। अपनी चार दिन पुरानी सरकार के भीतर उभर रहे असंतोष का सामना कर रहे कर्नाटक के मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने शनिवार को दावा किया कि वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी से जुड़े सभी मुद्दे "सुलझा लिए गए हैं।"

नई सरकार के लिए बड़ी परेशानी का कारण बने घटनाक्रम में, वरिष्ठ नेता रामलिंगा रेड्डी ने शुक्रवार को अपने विभाग को लेकर नाराजगी जताते हुए, डी.के. शिवकुमार मंत्रिमंडल से मंत्री पद से इस्तीफा दे दिया था। रेड्डी का कहना था कि उन्हें मुख्यमंत्री द्वारा बेंगलुरु विकास मंत्रालय देने का आश्वासन दिया गया था, लेकिन शपथ ग्रहण के बाद उन्हें सिंचाई मंत्रालय आवंटित कर दिया गया।

इस्तीफे पर प्रतिक्रिया देते हुए शिवकुमार ने रेड्डी को अपना "सबसे करीबी मित्र" बताया था और कहा था कि वे इस मुद्दे का समाधान कर लेंगे।

शनिवार को मुख्यमंत्री ने इस बात की पुष्टि की कि रेड्डी ने उन्हें "वॉट्सऐप पर" इस्तीफा भेजा था, लेकिन उन्होंने कहा कि अब सब कुछ सामान्य है।

उन्होंने कहा, "वे मेरे मित्र हैं, सभी समस्याओं का समाधान हो जाएगा। अनावश्यक कहानियां मत गढ़िए, वे सब बेकार साबित होंगी। हां, उन्होंने वॉट्सऐप पर इस्तीफा भेजा था, लेकिन अब मामला सुलझ गया है।"

शुक्रवार रात शिवकुमार ने रेड्डी के इस्तीफे के बाद, उनके साथ करीब दो घंटे तक बैठक की, जो रात 1:30 बजे तक चली। इस देर रात हुई चर्चा को उभरते राजनीतिक मतभेदों को नेतृत्व द्वारा दूर करने की कोशिश के रूप में देखा गया।

रामलिंगा रेड्डी के इस्तीफे ने नई सरकार के भीतर हलचल मचा दी है और अन्य मंत्रियों ने भी अपने विभागों को लेकर असंतोष जताना शुरू कर दिया है।

इसके बाद सरकार के दूसरे मंत्री के.एच. मुनियप्पा ने भी अपने विभाग को लेकर नाराजगी व्यक्त की। खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति विभाग मिलने पर उन्होंने कहा कि कैबिनेट के "सबसे वरिष्ठ" नेताओं में से एक होने के नाते उन्हें अधिक महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए था।

मुनियप्पा ने एनडीटीवी को बताया, "मैंने नेतृत्व को बता दिया है कि कैबिनेट के वरिष्ठतम सदस्य के रूप में मुझे कोई महत्वपूर्ण विभाग मिलना चाहिए।"

उन्होंने यह भी कहा कि उन्होंने अपनी अपेक्षाओं के बारे में राहुल गांधी

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

ओडिशा में सहायक अभियंता के पास अथाह संपत्ति मिली

■ विजिलैंस विभाग के छापे में 2 करोड़ रूपए नकद, 552 ग्राम स्वर्ण आभूषण व करोड़ों की अचल सम्पत्ति मिली।

भुवनेश्वर, 07 जून। ओडिशा में भ्रष्टाचार के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत विजिलेंस विभाग ने बड़ी कार्रवाई करते हुए कंधमाल जिले के बालीगुड़ा स्थित एकीकृत जनजातीय विकास एजेंसी (आईटीडीए) के सहायक कार्यपालक अभियंता (एईई) बैकुंठनाथ बेहरा को आय से अधिक संपत्ति (डीए) मामले में गिरफ्तार कर लिया है। जांच में उनके पास ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में 798 प्रतिशत अधिक संपत्ति मिलने का खुलासा हुआ है।

विजिलेंस अधिकारियों के अनुसार, बैकुंठनाथ बेहरा और उनके परिवार के नाम पर करोड़ों रुपये की चल-अचल संपत्तियां मिली हैं।

इनमें भुवनेश्वर में कई आलीशान बहुमंजिला भवन, करोड़ों रुपये के प्लॉट, दो करोड़ रुपये से अधिक नकदी, सोने के आभूषण, बैंक जमा और लग्जरी वाहन शामिल हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

दादाभाई नौरोजी, ऋषि सुनक की शृंखला में एक युवा राजस्थानी ने भी अपना नाम दर्ज कराया

रणजीत सिंह राठौड़ अब इंगलैण्ड की हिलिंगडन सीट से काउंसलर (सांसद) निर्वाचित हुए हैं

■ "मैं 2014 में लंदन की ब्रुनेल युनिवर्सिटी में "लॉ" पढ़ने आया था। युनिवर्सिटी में दो बार स्टूडैन्ट यूनियन का अध्यक्ष चुना गया। मैं अपने परिवार का पहला व्यक्ति था, जो विदेश गया था, पढ़ाई करने।"

■ "मेरी राजनीति में रूचि स्टूडैन्ट यूनियन का अध्यक्ष बनने के बाद से जागृत हुई। कंज़रवेटिव पार्टी ने मुझे राजनीतिक प्रचार अभियान में भाग लेने का मौका दिया तथा बोरिस जॉनसन व ऋषि सुनक के चुनाव में मैंने काम किया तथा पार्टी ने मुझे काउंसलर पद के लिए उम्मीदवार बनाया।"

■ राठौड़ की राजनीतिक उड़ान में इस बात से भी मदद मिली कि भारतीय मूल के ब्रिटिश नागरिकों की भारी साख बनी है इंगलैण्ड में। 42 प्रतिशत भारतीय मूल के ब्रिटेन निवासी इंगलैण्ड की हाई-इनकम श्रेणी में आ गए हैं। उदाहरण के लिए, 2022 के एक सर्वे के अनुसार, आज इंगलैण्ड में भारतीय मूल के नागरिकों के पास ज्यादा सम्पत्ति है, अंग्रेज निवासियों की तुलना में, और भारतीय मूल के इंगलैण्ड निवासियों के योगदान की काफी कदर है।

-जाल खंबाता-

-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 7 जून। "ग्रैंड ओल्ड मैन ऑफ़ इंडिया दादाभाई नौरोजी पहले एशियाई और भारतीय थे, जिन्हें 1892 में ब्रिटेन के हाउस ऑफ कॉमन्स में संसद सदस्य के रूप में चुना गया था। उन्होंने लंदन की सेंट्रल फिन्सबरी सीट का प्रतिनिधित्व किया और ब्रिटेन व उसके उपनिवेशों, विशेषकर भारत, में अल्पसंख्यकों की समस्याओं को उठाया। सन् 2022 में, ऋषि सुनक ऐसे पहले ब्रिटिश एशियाई (भारतीय मूल) बने, जिन्होंने कंज़रवेटिव पार्टी से 10, डाउनिंग स्ट्रीट में प्रवेश किया।

अब राजस्थान के रणजीत सिंह राठौड़ भी उन भारतीयों की सूची में शामिल हो गए हैं, जिन्होंने ब्रिटिश राजनीति में महत्वपूर्ण उपलब्धि हासिल की है।

रणजीत राठौड़ को वैस्ट लंदन के हिलिंगडन बरो के शांत, उच्च दर्जे वाले आवासीय क्षेत्र, नॉर्थ हिलिंगडन से काउंसलर चुना गया है। उन्होंने कंज़रवेटिव पार्टी से जोनाथन बिएंको के साथ चुनाव लड़ा। जोनाथन 40 वर्षों से ऑफिस में हैं। अब नॉर्थ हिलिंगडन की सीट का प्रतिनिधित्व करेंगे- एक युवा भारतीय नेता और एक अनुभवी ब्रिटिश काउंसलर।

रणजीत ने कहा, "मैं 2014 में ब्रुनेल युनिवर्सिटी, लंदन में कानून की पढ़ाई के लिए यूके आया। मेरा यहाँ आना अविश्वसनीय रूप से लाभप्रद एवं कायापलट कर देने वाला रहा। विश्वविद्यालय में मैं दो साल लगातार स्टूडेंट्स यूनियन का अध्यक्ष चुना गया तथा मुझे विविध पृष्ठभूमियों वाले 15,000 से अधिक विद्यार्थियों का प्रतिनिधित्व करने का सुअवसर मिला। इस अनुभव ने मेरे नेतृत्व कौशल को निखारा और पब्लिक सर्विस की मेरी समझ को मजबूत किया तथा मुझे समुदाय से जुड़ने की एक मजबूत भावना दी, ये वैल्यूज़ आज भी मेरा मार्गदर्शन कर रही हैं।"

उन्होंने एक प्रश्न के उत्तर में कहा, "हां, मैं विदेश में पढ़ाई करने वाला अपने परिवार का पहला व्यक्ति हूँ। यह व्यक्तिगत और प्रोफेशनल, दोनों रूप से बड़ा कदम था। कम उम्र में एक नए देश में जाने से मैंने बहुत जल्दी आज़ादी, लचीलान और एडजस्ट करने की क्षमता सीखी।"

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

अमेरिका में भारतीय युवक की गोली मार कर हत्या

■ अंशुल कुंचा एक एमएनसी में काम करता था। वह शनिवार और रविवार को पीत्ज़ा डिलीवरी का काम भी करता था।

हैदराबाद, 07 जून। अमेरिका के फिलाडेल्फिया में हैदराबाद के रहने वाले 28 साल के एक युवक की बेरहमी से हत्या कर दी गई। यह घटना पांच और छह जून की दरमियानी रात को हुई। मृतक की पहचान अंशुल कुंचा के रूप में हुई है। अंशुल का परिवार हैदराबाद के पास गुंडलापोचमपल्ली में रहता है। न्यूयॉर्क में भारत के महावाणिज्य दूतावास ने इस दुखद घटना की पुष्टि की है। दूतावास ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी कि वे अंशुल के परिवार के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)